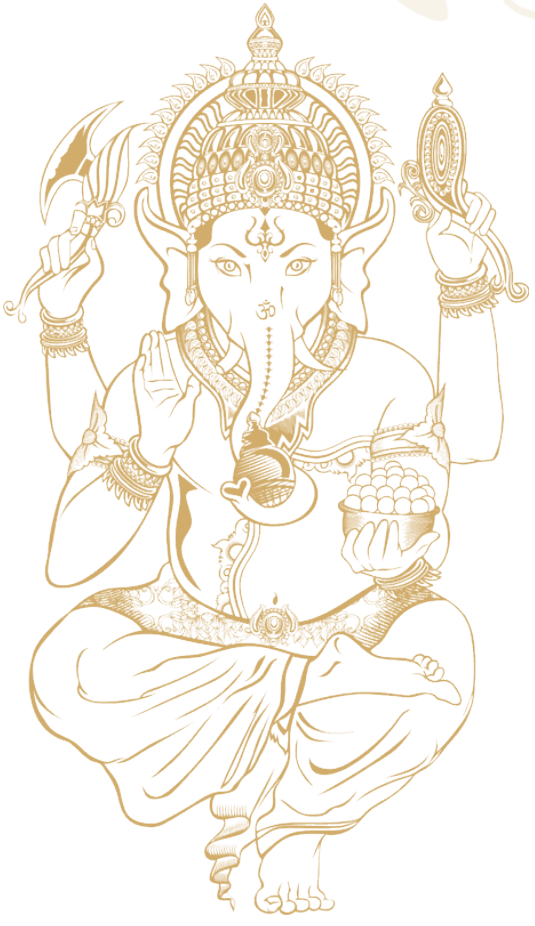

Subhash

27 Oct 1961

08:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121400516

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/10/1961**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:30:00 घंटे**
इष्ट	35:01:04 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:06 घंटे
साम्पातिक काल	22:31:48 घंटे
सूर्योदय	06:29:34 घंटे
सूर्यास्त	17:40:19 घंटे
दिनमान	11:10:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	10:38:02 तुला
लग्न के अंश	28:52:04 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	परिघ
करण	बालव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	28:52:04	344:26:00	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			तुला	10:38:02	00:59:53	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			वृष	28:05:24	12:58:54	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	तुला	24:25:51	00:42:01	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	तुला	00:36:38	00:46:21	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			मक	05:49:26	00:06:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	नीच राशि
शुक्र			कन्या	18:27:40	01:14:36	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि			मक	00:38:45	00:02:54	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	स्वराशि
राहु	व		सिंह	01:04:35	00:07:48	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	01:04:35	00:07:48	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	06:30:47	00:02:06	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
नेप			तुला	17:27:46	00:02:14	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
प्लूटो			सिंह	16:16:12	00:01:21	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	12:50:58	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:14

लग्न-चलित

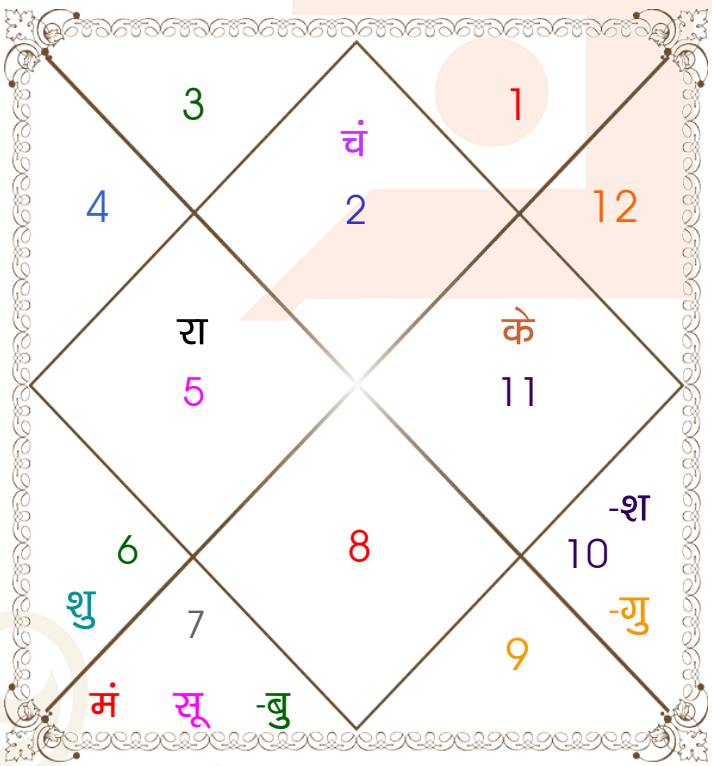

चन्द्र कुंडली

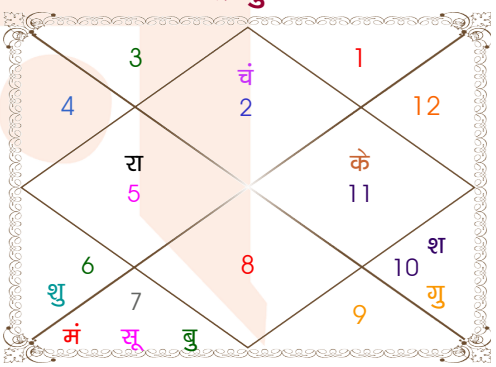

नवमांश कुंडली

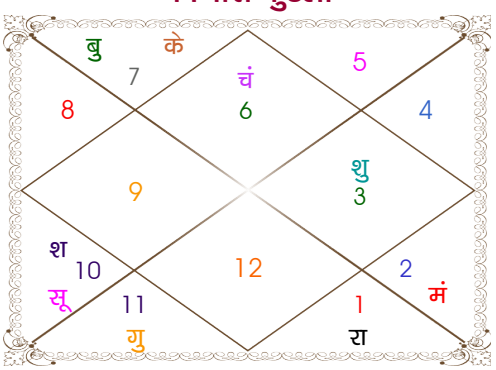

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 6 मास 1 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
27/10/1961		29/04/1966		28/04/1984		28/04/2000		29/04/2019	
29/04/1966		28/04/1984		28/04/2000		29/04/2019		28/04/2036	
	00/00/0000	राहु	09/01/1969	गुरु	17/06/1986	शनि	02/05/2003	बुध	25/09/2021
	00/00/0000	गुरु	05/06/1971	शनि	28/12/1988	बुध	09/01/2006	केतु	22/09/2022
	27/10/1961	शनि	11/04/1974	बुध	05/04/1991	केतु	18/02/2007	शुक्र	23/07/2025
शनि	29/10/1962	बुध	28/10/1976	केतु	11/03/1992	शुक्र	20/04/2010	सूर्य	29/05/2026
बुध	26/10/1963	केतु	16/11/1977	शुक्र	10/11/1994	सूर्य	02/04/2011	चंद्र	29/10/2027
केतु	23/03/1964	शुक्र	15/11/1980	सूर्य	29/08/1995	चंद्र	31/10/2012	मंगल	25/10/2028
शुक्र	23/05/1965	सूर्य	10/10/1981	चंद्र	28/12/1996	मंगल	10/12/2013	राहु	14/05/2031
सूर्य	28/09/1965	चंद्र	11/04/1983	मंगल	04/12/1997	राहु	16/10/2016	गुरु	19/08/2033
चंद्र	29/04/1966	मंगल	28/04/1984	राहु	28/04/2000	गुरु	29/04/2019	शनि	28/04/2036

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/04/2036		29/04/2043		29/04/2063		29/04/2069		29/04/2079	
29/04/2043		29/04/2063		29/04/2069		29/04/2079		00/00/0000	
केतु	25/09/2036	शुक्र	29/08/2046	सूर्य	17/08/2063	चंद्र	27/02/2070	मंगल	25/09/2079
शुक्र	25/11/2037	सूर्य	29/08/2047	चंद्र	15/02/2064	मंगल	28/09/2070	राहु	13/10/2080
सूर्य	02/04/2038	चंद्र	29/04/2049	मंगल	22/06/2064	राहु	29/03/2072	गुरु	19/09/2081
चंद्र	01/11/2038	मंगल	29/06/2050	राहु	17/05/2065	गुरु	29/07/2073	शनि	27/10/2081
मंगल	30/03/2039	राहु	29/06/2053	गुरु	05/03/2066	शनि	27/02/2075		00/00/0000
राहु	16/04/2040	गुरु	28/02/2056	शनि	15/02/2067	बुध	29/07/2076		00/00/0000
गुरु	23/03/2041	शनि	29/04/2059	बुध	23/12/2067	केतु	27/02/2077		00/00/0000
शनि	02/05/2042	बुध	27/02/2062	केतु	28/04/2068	शुक्र	29/10/2078		00/00/0000
बुध	29/04/2043	केतु	29/04/2063	शुक्र	29/04/2069	सूर्य	29/04/2079		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 6 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।